

श्रीछद्मयोगिनी

[नाटिका]

HINDOSTANI ACADEMY
Hindi Section



Library No. 642

Date of Receipt. 6/12/22

लेखक

श्रीविद्योगी हरि



नदपि कह्यो बहुविधि कविन, बरनि अनेक प्रकार ।
तदपि सदा नित नित नवल, कृष्ण चरित्र उदार ॥

—भा० हरिश्चन्द्र



प्रकाशक,

साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयाग